

आनुवरिष्टि । रूपे जीव विकास

\* यदि एक 'लक्षण' - A, 3

विभिन्नताओं के उत्पन्न होने से किसी स्पीशीज और अस्तित्व किस तरह बढ़ जाता है। विभिन्नताओं के उत्पन्न होने से किसी स्पीशीज के अस्तित्व की भावना इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि वह स्पीशीज स्वयं को वृत्तावरण के अनुसार अनुकूलित करने में सक्षम हो जाती है।

2. मैंल के पश्चिमी द्वारा कौसे पता चला कि लक्षण  
तमावी अथवा अस्तमावी होते हैं ?  
उपर मटर के तीलकी जीवन में ट्रॉस  
जलया जाता है तो पीड़ी भी जी लक्षण  
दिखाई देते हैं । इष्ट तमावी तथा जी लक्षण  
दिप जाते हैं बहुत अस्तमावी कहलाते हैं ।

ਲੰਬੇ ਪੀਂਘੇ ਹੀਨੇ ਪੀਂਘੇ

TT

tt — जनण

1

$\downarrow$   
t - शुभमत

जेव पांडा ते — र, पांडा

4. मेडल के तर्थों से कुछ पता चला कि विभिन्न उदाहरण स्वतंत्र ऐप से वर्णित होते हैं।  
मेडल ने मूटर के पीछे के दो विकल्पी जोड़े गए बीच बाले लंबे पीछे तथा सुरक्षित बीच बाले बीच

चींदी का संकरण कराया तो फूली में सभी पौधों  
 गोल - पीले बीज बाले साप्त होते हैं जब इनमें  
 स्वपरागण कराया जाता है तो पीड़ियाँ मैं  
 चार तरफ़ की संतान साप्त होते हैं। जिससे  
 स्थिर होता है कि विभिन्न विकल्पी उद्धारण संभव  
 रूप से वरानुगत होते हैं।

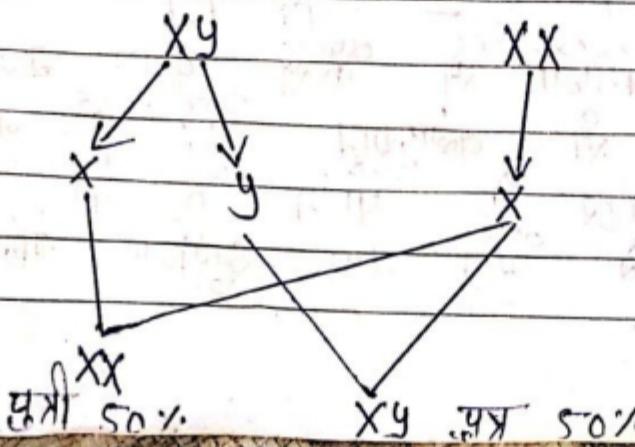
Q5. मानव में जन्म का लिंग निर्धारण कैसे होता है?  
 अथवा —

मनुष्य में लिंग निर्धारण की स्थिति का समीकरण कीजिए।

मनुष्य की रूप की विभिन्न में 23 जोड़ी हुए स्त्र  
 पाये जाते हैं, जिनमें से 22 जोड़ी नहुए  
 मादा में समान होते हैं, जिन्हें मूटोसोम कहते हैं,  
 जबकि 23 को जोड़ी हुए स्त्र नर में XY तथा  
 मादा में XX होता है, जिसे हिटरोसोम या  
 लिंग हुए स्त्र कहते हैं।

लिंग निर्धारण के समय यदि नर का मादा  
 के X से मिलता है तो XX बनने के कारण  
 पुत्री उत्पन्न होती है और जब नर का Y स्त्र  
 मादा के X से मिलता है तो XY बनने के कारण  
 पुत्र बनता है जिसका उत्पन्न होता है, XY अतः  
 पुत्र या पुत्री का उत्पन्न होना पिता के शुण्डक 50%  
 निश्चिर करता है।

नर मादा



6. विशेष लक्षण वाले प्रयोग जीवों की सर्वथा समस्त में हैं। जीवों की विभिन्न तरीके हैं जिनसे द्वारा यह जाती है।

Ans विभिन्न तरीकों द्वारा यह विशेष लक्षण प्राप्ति होती है। जीवों की सर्वथा समस्त में हैं। सक्ता है।

(i) साकृतिक चर्यन

(ii) अनुबंधित क्रियन

(iii) विभिन्नताएँ या अनुकूलन

7. यह स्फुट जीव द्वारा उपजिते लक्षण सामान्यतः मगली पीड़ी में वर्णात्मक नहीं होते। क्यों? ?

Ans क्यूंकि वे लक्षण वर्णात्मक होते हैं जीव जनन की शिक्षा के DNA द्वारा मगली पीड़ी में जाती है। उपजिते लक्षण जो जनन की शिक्षा के जीव पर छोड़ सकता है।

8. वे जीव से कारण हैं जो नयी स्पीरिज के उद्भव में सहायता है।

Ans बाईं जो संरक्षा में कभी अनुबंधित होकर जीव से नितां जो विषय क्यों है? बाईं जो संरक्षा में कभी अनुबंधित होकर जीव से नितां जो विषय होता है क्योंकि यह बाधा बिहूदू हो जायेगा होकर इसकी जाति का जीव जीव छोड़ देता है। जीव जीव के उद्भव में सहायता है।

9. वे जीव से कारण हैं जो नयी स्पीरिज के उद्भव में सहायता है।

Ans (i) साकृतिक चर्यन

(ii) जीव तंत्र का स्तर कम होना।

- (iii) अनुबाधिक विपलन  
(iv) मौगीलिक प्रकरण के कारण अनेक जन्म  
(v) DNA में द्वितीय संरचना में परिवर्तन

10. कथा स्थक तितली और चमगाड़ के पुखों  
की सम्बान्धित ग्रंथि छटा या संकेत हैं? क्यों?  
Answer: तितली और चमगाड़ के परंपरागत सम्बन्धित ग्रंथि  
हैं। क्योंकि तितली स्थवर चमगाड़ के परंपरागत सम्बन्धित ग्रंथि  
हैं। उपर्युक्त ग्रंथि अलग-अलग होती  
हैं। जबकि इनकी परंपरागत ग्रंथि समान होती है।  
इसलिए ये सम्बन्धित (समरूप) ग्रंथि हैं।

11. जब किसी प्राकृतिक आपदा के कारण कोई जीव-जलजीवी  
भीतर भूमि गहराई में दूष जाता है। तो वह क्षेत्र का एक अकर्षण में परिवर्तित  
हो जाता है जिसे जीवाश्वम् भी कहते हैं।

12. कथा कारण है कि आकृति, माणिक, रंग-रूप  
में इतने मिल दिखाई पड़ते वही मानव रूप ही  
स्पीशील के सदस्य है।  
Answer: आकृति - माणिक रंग रूप में मिल दिखाई पड़ते वही  
मानव रूप ही स्पीशील हीमी सैपिस्टेन्स के सदस्य  
हैं। क्योंकि मानव के सदस्य रक्ताकृति, माणिक, रंग-रूप में  
परस्पर मिल होते हैं भी सफल लोगों द्वारा जनन कर सकते हैं।

## अमृथास

Q8. मीठे के सशील में रहे मरे के पीछे बिनके  
1. कीनी पुष्प पी, तो सकरण बीन पीछी जिनके आम  
पुष्प पु. ए. औ असाया हो गया। उनकी संतति  
पु. पीछा में पुष्प लगती रही है। पहले  
उनमें से लगभग माझे बीन हैं इसके कहा  
जा सकता है कि यह जनक पीछा की मनुवरित्त  
स्वना निम्न पी

Ans Tww

2. सम्भात धनी का उदाहरण है →  
Ans उपरोक्त सभी

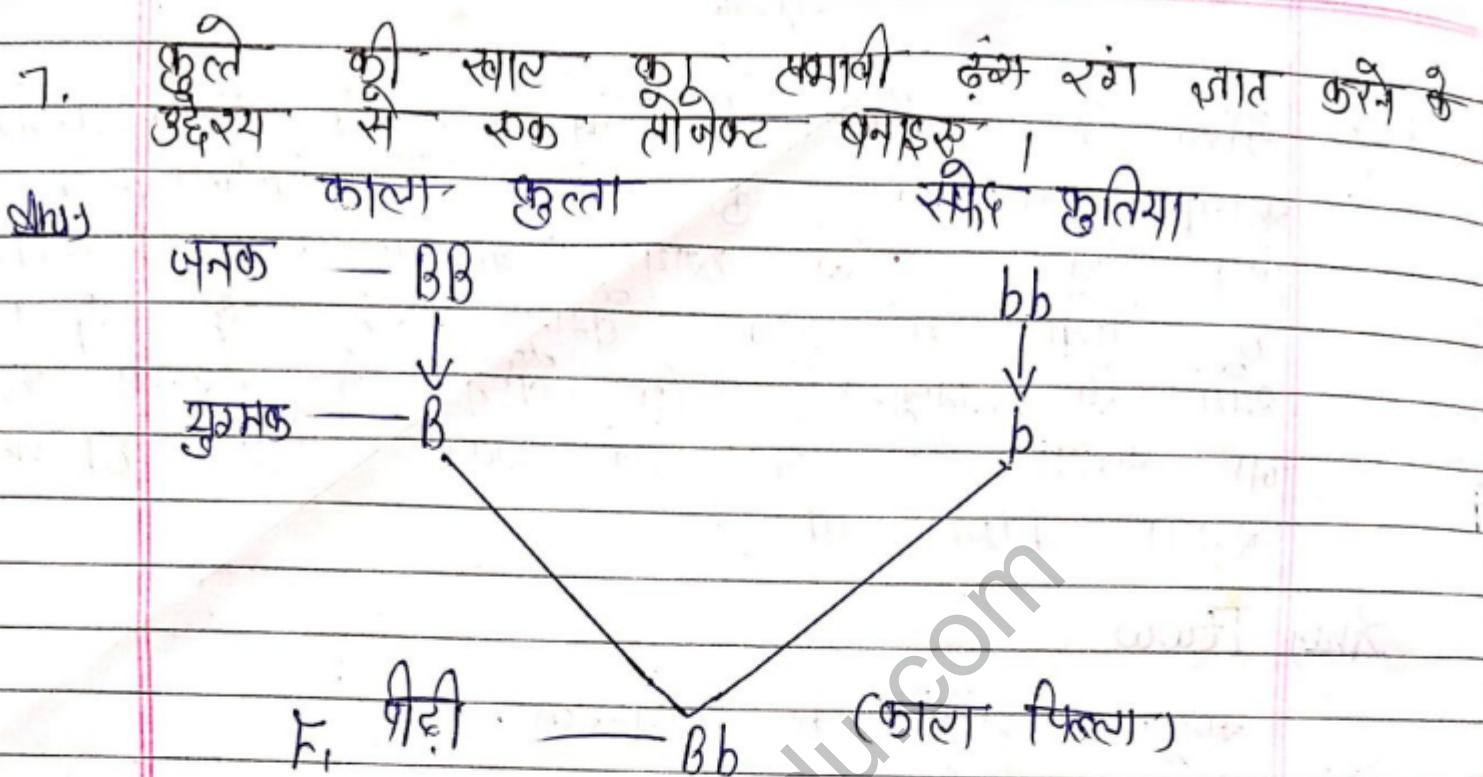
3. विकासीय दृष्टिकोण से हमारी किसी से माधिक  
समानता है कि चीन के विद्यार्थी

4. सम्भात धनी तथा समरूप धनी के उदाहरण पैकर समझाएँ

Ans सम्भात धनी ने रैसे धनी जिनकी स्वना एवं उत्पत्ति समान  
हो तथा जारी भर्ग - भर्ग हो सम्भात  
धनी कहते हैं।

उदा. 1) मुख्य के हाथ, कूते के अन्तपाद, धोड़े के अन्तपाद,  
गिरहरी के अन्तपाद आदि।

(ii) समरूप धनी के समवृत्ति धनी - रैसे धनी जिनकी स्वना एवं  
उत्पत्ति भर्ग - भर्ग तथा जारी समान होते हैं। समरूप धनी कहते हैं।  
उदाहरण कीटों के परव, पक्षियों के परव आदि।



जब एक जुड़े काली खाल वाले क्षुले तथा एक जुड़े सफेद खाल वाली क्षुतिया के बीच क्रॉस कराया जाता है तो उससे उत्पन्न सभी पिले यहि काली खाल वाले उत्पन्न होते हैं तो काली सर का लक्षण सम्भावी है।

8. विकासीय संबंध स्थापित करने में जीवाश्म का क्या महत्व है।
- Ans. विकासीय संबंध स्थापित करने में जीवाश्म का निम्न महत्व है।
- (i) हृषी की सतह के पास पाये जाने वाले जीवाश्म ग्राहक स्तर से पाये जाने वाले जीवाश्मों की अपेक्षा आधिक नये हैं। इससे ज्ञात होता है कि इस जीव एक विकास पद्धति आर किस जीव का विकास बाद में हुआ।
- (ii) जीवाश्मों से जीवों और ठन्के पूर्वजों का विच संबंध स्थापित करने में सहायता मिलती है।

9. किन तमांगों के माधार पर हम कैसे सकते हैं कि जीवन की उपलिभि भजनिक पदार्थों से है है ?  
जीवन के उपलिभि अकार्बनिक पदार्थों से है है ?

अवृत्ति

### आतिरिक्त स्पष्टन -

1. शुद्धीरोधी मुँग कथा है उपाहरण सहित समझाइए  
इस मुँग जो हमारे शुद्धीरोधी विस्त्रित भवस्था में पायी जाते हैं लेकिन मुख उपयोग न होने के कारण अवरोध के स्पष्ट में बचे हैं। शुद्धीरोधी मुँग उद्दृत है औ सेन उच्छृंखलेका, बाह्य कठि, शरीर के लिए

2. मेड्डल ने अपने तयोग में मटर के पीछे का चयन क्यों किया ?

मेड्डल ने मटर के पीछे का चयन निम्न लिखी जाएगी :

(i) मटर का पुष्प हिरण्यी होता है।

(ii) मटर का पौधा एक वर्षीय या बर्षी में दो बार उगाया जा सकता है।

(iii) मटर के पीछे का खेत, घर, पालि छही श्री उगाया जा सकता है।

(iv) मटर के पीछे में कृत्रिम परागण कराया जा सकता है।

(v) मटर के पीछे में अनेक विष विपरीत लक्षण पाये जाते हैं।

3. ऐव विकास कथा है ?

(i) धीमी स्वं निरलर गाने से जैले गली जैसा सहिया जिसमें सरलतम जीवन से अठिलतम जीवन का निमित्त हुआ है। जैव विकास क्षेत्रात है।

4. जीव के तीन तमुख व्याख्या दिखाएं।  
राशीन्द्रिय अनु

- (i) इसके द्वारा R.N.A में तोटीव के निमित्त में सहायता होता है।  
(ii) यह कोशिका होता है।  
(iii) यह उत्परिवर्तन कारा जीव में जैव शुष्टि उपन लेता है।

5. जीवीयता क्षेत्रों की विवरणों में अंतर दिखाएं।

### जीवीयता

1. यह जीव संगठन की तरह व्यक्त करता है।

2. इसका लक्षण एक समान होता है।

3. इनका जीव पूर्विक के गुणों के आधार पर लिया जा सकता है।

### फीनीटाइप

1. यह जीवों के माफार, रंग-स्प की व्यक्त करता है।

2. इसका जीविक संगठन डाल्मा मरण होता है।

3. इनका जीव जैव लक्षणों के आधार पर लिया जा सकता है।

6. वैमानिकाद तथा जीवित बाद में अंतर दिखाएं।

Ques

### रोमांचिता

1. इन्हींने उपायित लक्षणों की विश्लेषणी का सुझाव दिया।
2. इनके मुहुसार जिराफ की गणितीय दृष्टि थी।
3. स्विचाव के कारण हबी गणित बारे जिराफ उत्पन्न उपस्थित थी।

हल

इन्हींने साकृतिक चयन का सिद्धान्त दिया। इनके मुहुसार जिराफ की गणितीय विभिन्नताएँ थीं। हबी गणित बारे जिराफ पहले से अपस्थित थी।

Ans

1. किसांडर कौस क्या है?

जब दो जीड़ी विपरीत लक्षणों के बीच कौस जाया जाता है तो उसे किसांडर कौस कहते हैं।

Ans

2. मेडर के पृष्ठकरण के नियम और समझाकरण के नियम के मुहुसार मुख्य गुणों के नियमितीय समय स्टैलीर जोड़े पृष्ठ-पृष्ठ हो जाते हैं। और शुभमक में केवल रुक ही जोड़ा पूँछता है।

Ans

3. मेडर के स्वतंत्र भवित्वों को उपायित समझाकरण।

Ans

4. 3: 3: 1 के मानुषों को चेकर बोर्ड करा समझाकरण।

## Object

1. मनुवांशिकी का जनक क्षमा जाता है -  
Ans मेंडल
2. मैट्रल ने अपने संयोग छिस पैरिये पर लिये -  
Ans मटर
3. मनुष्य की रक्त कोशिका में शुणस्क्राफ पायी जाती है -  
Ans 23 बोडी (46),  $22+XY$ ,  $22+XX$
4. पुस्तक का गुणात्मक विभिन्न विधाओं के लिए उत्तरपत्री है -  
Ans XY
5. जीवधारियों में पीढ़ी-पीढ़ी विभिन्न लकड़ों के संस्करणों को लाते हैं -  
Ans मनुवांशिकता
6. D.N.A का पूरा नाम है -  
Ans डीएन्एसी (एड्सी) और विलक्षण (अमर) रूपों
7. RNA का पूरा नाम है -  
Ans राइबोन्यूक्लिक रसायन
8. जीवरूप के अध्ययन को क्या कहते हैं -  
Ans जीवाणुमत्ती
9. DNA है -  
Ans मनुवांशिक पदार्थ

www.echoedu.com